महाराज गजानंद आवोनी .....

महाराज गजानंद आवोनी, म्हारी सभा में रंग बरसाओ नी ।

रणत भँवर सूं आओ गजानंद, रिद्धि–सिद्धि संग में लाओ नी ।।

ऊँचे आसन देवा आप विराजो, दुनिया ने दरश दिखाओ नी ।

पार्वती के पुत्र गजानंद, शंकर के मन भावो नी ।।

जरक सितार जरी को जामो, मोतियन माला पहनाओ नी ।

धूप–दीप से करूँ मैं आरती, मोदक भोग लगाओ नी ।

मीरा के प्रभु गिरधर नागर, हरक–हरक गुण गाओ नी ।

महाराज गजानंद आवोनी, म्हारी सभा में रंग बरसाओ नी ।

लघुता में प्रभुता बसे, प्रभुता में प्रभु दूर।
कीड़ी सो मिसरी चुगे, हाथी के सिर धूर।।